Area under palm plantation in Andaman and Nicobar Islands

588. SHRI JAGESH DESAI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the total area under Palm plantation in Andaman and Nicobar Islands;

(b) whether it is a fact that after 1986 negligible Palm plantation is effected in these Islands;

(c) if so, what are the reasons therefor and what steps Covernment propose for massive Palm plantation in the Islands; and

(d) whether Covernment have fixed any targets for Palm plantation in the area during the ensuing Five Years period ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN: (a) The total area under Oil Palm palanta tion in Andman and Nicobar Islands is is 1,593 & hectares.

(b) Yes, Sir.

(c) Following widespread criticism about adverse implications of clear felling of rain and woist tropical forests for raising oil palm plantation, an inter-disoi-plinary team was constituted by the Covt. of India. On the basis of the report submitted by the team it was decided not to extend andy further oil palw plantation in Andaman Nicobar Islands.

(d) No Sir

कृषि उत्पादों की उत्पादन-दर

589. **डा. जितेन्द्र कुमार जैन**

श्री रणजीत सिंह

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 9 जनवरी, 1992 के "फाइनेंशियल एक्सप्रैस" में "मेकेनिज्म फार इम्प्रूवमेंट" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि विश्व के कुल सबसे बड़े अन्न उत्पादक देशों में भारत का स्थान है और क्या यह भी सच है कि खाद्यान्न उत्पादन की औसत दर की दृष्टि से इस देश का स्थान बहुत नीचे हैं ;

(ग) सिंचित और असिंचित क्षेत्रों में गेहूं, चावल, गन्ना, दालों और तिलहनों की अलग-अलग औसत उत्पादन दर क्या है और सरकार ने उपर्युक्त औसत दर में वृद्धि करने के लिए क्या योजनायें तैयार की हैं; और

(घ) अगले पांच वर्षों के दौरान औसत उत्पादन दर में वृद्धि करने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचंदन) : (क) और (ख) जी, हां ।

(ग) प्रमुख उत्पादक राज्यों में 1989-90 (उपलब्ध) के लिए सिंचित तथा असिंचित क्षेत्रों के तहत गेहूं, चना, गन्ना, तोरिया एवं सरसों, मूंगफली तथा चावल की राज्य-वार औसत उपज दरें विवरण में दी गई हैं (नीचे देखिए) इन सभी फसलो की औसत उपज बढ़ाने के लिए, सरकार कुछ फसल उत्पादन कार्यक्रमों को कार्यान्वित कर रही है ।

इनमें निम्नलिखित शामिल हैं :—

(1) विशेष खाद्यान्न उत्पादन कार्यक्रम—गेहूं, दालों तथा मक्का और कदन्नों के लिए ।

(2) समेकित चावल विकास कार्यक्रम ।

(3) राष्ट्रीय दलहन विकास कार्यक्रम ।

(4) तिलहनों उत्पादन कार्यक्रम ।

(5) कीटों, रोगों और नमी की कमी की प्रतिरोधी संकर चावल की किस्मों का विकास करने के लिए अनुसंधान कार्यक्रमों को बढ़ाना ।

(6) प्रभावकारी मण्डी तथा मूल्य समर्थन ।

(घ) आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के लिए निर्धारित उत्पादन के लक्ष्य निम्न प्रकार से हैं :—

खाद्यान्न	207 से 210 मिलियन मीटरी टन
तिलहन	23 मिलियन मीटरी टन
गन्ना	265 मिलियन मीटरी टन
कपास	12 मिलियन गांठें ।

आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कृषि के लिए 3.0 प्रतिशत औसत वार्षिक वृद्धि दर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

विवरण

1989-90 (अनन्तिम) के दौरान सिंचित/असिंचित क्षेत्रों के तहत गेहूं, चना, गन्ना, तोरिया एवं सरसों, मूंगफली तथा चावल की राज्य-वार औसत उपज दरें

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	गेहूं		चना	
	सिंचित	सिंचित	सिंचित	असिंचित
असम	1089	944	—	—
बिहार	1729	1199	—	—
गुजरात	2787	554	—	—
कर्नाटक	908	351	—	—
मध्य प्रदेश	1908	776	852	735
महाराष्ट्र	1404	563	639	493
राजस्थान	2180	764	998	507
तमिल नाडु	—	—	—	—

	गन्ना		तोरिया तथा सरसों	
	सिंचित	असिंचित	सिंचित	असिंचित
असम	—	41370	—	—
बिहार	—	—	—	—
गुजरात	—	—	—	—
कर्नाटक	87000	—	—	—
मध्य प्रदेश	—	—	1066	468
महाराष्ट्र	88570	—	—	—
राजस्थान	—	—	1007	628
तमिलनाडु	104000	—	—	—

मूंगफली

राज्य		सिंचित	असिंचित
गुजरात	खरीफ	1004	669
	ग्रीष्म	1621	—
कर्नाटक	खरीफ	795	700
	रबी/ग्रीष्म	1421	1077
मध्य प्रदेश	खरीफ	1119	704
महाराष्ट्र	खरीफ	—	968
राजस्थान		1177	653
तमिलनाडु		1684	1011

कपास (1989-90)

(किलोग्राम/हैक्टयर)

राज्य		सिंचित	असिंचित
असम	शरद	1335	794
	शीतकाल	1538	1317
	ग्रीष्म काल	1708	1071
बिहार	शरद	1366	808
	शीतकाल	1570	1062
कर्नाटक	खरीफ	2391	1513
	रबी	1994	—
	ग्रीष्मकाल	2986	—
मध्य प्रदेश		1388	829
महाराष्ट्र	शरद	1549	1510
	ग्रीष्मकाल	1983	—
राजस्थान	खरीफ	2121	788

590. *[Transferred to the 5th March,* 1992]

Fish epidemic in Kerala

591. SHRI ARANGIL SREEDHARAN : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that fish epidemic is spreading in some districts of Kerala;

(b)so, whether Government have diagnosed the cause; and

(c) what steps Government are taking to eradicate the eqpidemic ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN) ; (a) Government of Kerala have informed that the fish epidemic is not spreading any more.

(b) The causative factors of the disease are suspected to-be- bacterial, viral and fungal in origin associated with environ-